

मुख्यमंत्री ने समकालीन न्यायिक विकास एवं सुदृढ़ीकरण पर आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ किया न्यायिक प्रणाली में प्रौद्योगिकी का उपयोग पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करेगा: सीएम

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/
चमन शर्मा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखबू ने गत दिवस न्याय एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से समकालीन न्यायिक प्रणाली एवं सुदृढ़ीकरण के लिए भौतिक डिवलेपमेंट एड स्ट्रेटिजिंग जरिट्स थ्रॉलॉ एंड टैक्मोलोजी विषय पर आयोजित उत्तर क्षेत्र दो के क्षेत्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि न्यायिक प्रणाली में प्रौद्योगिकी का उपयोग पारदर्शिता, उत्तराधित और दक्षता सुनिश्चित कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी के उपयोग से न्यायपालिका की कार्यणाली में मौत आई है।



बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने न्यायिक प्रणाली में परिवर्तन एवं सुदृढ़ीकरण के लिए प्रौद्योगिकी को एक सहायक के रूप में रेखांकित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से न्यायपालिका की कार्यणाली में मौत आई है।

कोविड-19 महामारी के दौरान

न? आता है, तो संवैधानिक संस्थाओं में आम आदमी का विश्वास और भी बढ़ जाता है तथा कानून-व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण और इसमें निरंतर सुधारों की संभव हो पाता है। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखबू ने कहा कि न्याय एवं देश के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है और न्यायपालिका इसके समाधान के लिए योगीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक विवाद निवारण विभिन्न विवादों को सुलझाने का एक संघर्ष है और इस व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों के लिए एक विवरण के लिए एक विश्वसनीय और त्वरित न्यायिक प्रणाली आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जब न्याय मिलता

है। उन्होंने मूलभूत विशेषता के लिए वारदान सांचित करने की व्यवस्था के बारे में देश के धर्म, भारत के लोग के रूप में सभी को एकता के सूत्र में प्रियोंता है। इसका लक्ष्य और उद्देश्य हमारे लोकतंत्र की मूलभूत विशेषता है। संविधान हमारे लोकतंत्र का आधार है, और वह तीन स्तरों पर दिक्का हुआ है। उन्होंने कहा कि इन स्तरों को अपने अपने विभिन्न विवरणों के लिए एक विवरण का एक अनुरूप कानूनी शिक्षा तैयार करना एक महत्वपूर्ण लक्ष्य होना चाहिए। आपसी सामंजस्य और प्रगाढ़ हो सकेगा।

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/श्याम कुल्लू जिला लाहौल स्पीति में जिला लोक संपर्क विभाग कार्यालय के कालांग सहायक लोकों के अधिकारी लाहौल सुरेश कुमार आज सेवानिवृत्त हुए। उपायुक्त लाहौल स्पीति राहुल कुमार ने इस मौके पर सहायक लोक संपर्क अधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की। विभाग में अपने कार्यकाल के दौरान निदेशालय लोक संपर्क विभाग शिमला में, जिला लोक संपर्क अधिकारी कार्यालय धर्शाना व कूलू में उन्होंने अपनी बेहतरीन सेवाएं दी। कर्मठ, निष्ठावान, इमानदार, सरल व मुद्रुभाषी स्वभाव के सुरेश कुमार विभाग में अपने 23 वर्ष के कार्यकाल में समय के पांच दंड, बेहतरीन सेवाओं के लिए हमेशा तरलीनता से सेवारत रहे। विभाग द्वारा आज उन्हें उनकी शानदार सेवाओं के लिए बधाई दी। इस दौरान प्रेस क्लब के सदस्यों ने सहायक लोक संपर्क अधिकारी के कार्यों व अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा को याद करते हुए उनके सुखमय भविष्य की कामना करते हुए उन्हें रुक्सत किया। सेवानिवृत्त सहायक लोक संपर्क अधिकारी ने इस मौके पर स्टाफ एवं मीडिया कर्मियों का विभागीय कार्यों के निष्ठादान में सहयोग के लिए धन्यवाद किया।



न्यूज पलैश

पूर्व मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र सराज से सौतेले व्यवहार पर उतरे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू लगभग 45 संस्थान बंद

टीम एक्शन इंडिया/गोहर/सुभाग सचदेवा

लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की सरकार आते ही मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का विधानसभा क्षेत्र सराज अनाथ हो गया लगता है। ऐसा लगता है सराज का कोई नहीं है। अपनी सरकार बनने को 5 महीने भी नहीं हुए राजस विधानसभा क्षेत्र से लगभग 45 संस्थान बंद कर दिए गए हैं। सराज विधानसभा क्षेत्र बिना प्रशासनिक अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न हाईस्पिल में डॉकर न ही स्कूलों में अध्यापक है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू पूर्व मुख्यमंत्री जयराम के साथ किसी निझी खूबियों के विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो हर तरह के श्रीओं के साथ संवाल कर दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी है। लगता है मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू की विवाद के बारे में रेखांकित दर्शक को बांधते हैं। ऐसे ही हुनरमंड एंड एकर हैं मंडी के जयराम भारद्वाज जो जयराम तारीफ की विभागीय अधिकारियों के ही प्रशासन चल रहा है। ना तो एसडीएम है न बी और कै ना अधिकारी अधियता है सहायक अधियता है न न्यायिक प्रणाली के उपयोग के लिए एक उपयोगी



प्रियंका चोपड़ा

का बेटी मालती को लेकर
खुलासा, हर मिनट चेक
करती थीं धड़कन, 2-2
मिनट पर टूट जाती थी नींद

प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) हन दिनों अपने बेटे सीरीज 'सिटिएल' को लेकर चर्चा में हैं, अपने इस सोशल कार्ड पर एक्ट्रेस ने जमकर प्रमोशन किया है, प्रियंका अपनी बेटी और पति के साथ इंडिया आई हुई थीं और इस यीरान अपनी पर्सनल संलग्न को लेकर कई तरह के खुलासे किए, प्रियंका के लिए, इन दिनों पूरी दुनिया बेटी मालती मेरी चोपड़ा है, अपनी बेटी के प्री-वैवाहिक वर्ष के समय और बाद में प्रियंका बेटा परेशन रही, एक मास के तीर पर अपने बड़े का खुलासा एक्ट्रेस ने किया, प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास ने माल 2022 में सेरेनिसी के बारिंग बेटी के माल-पिता बने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि प्री-वैवाहिक वर्ष के समय उन्हें अपनी बेटी को खो देने का डर सता रहा था, मालती जन्म के बाद करीब 100 दिन तक एनआइसीम में रही थीं, इस समय एक्ट्रेस बुरी तरह बबरा गई थीं तो पति निक जोनास ने मजबूती से संभाला.

मालती बेटी की ताकत बनना था प्रियंका चोपड़ा ने दुड़े शो में बेटी के जन्म के समय की बात करते हुए बताया है कि बेटे और हालड की ताकत का एक और उदाहरण है, मैं तो जैसे खामोश हो गई थीं, मुझे समझ नहीं आ रहा था, मालती जन्म के बाद करीब 100 दिन तक एनआइसीम में रही थीं, इस समय एक्ट्रेस बुरी तरह बबरा गई थीं तो पति निक जोनास ने मजबूती से संभाला, मैंने पृथग बालों मध्ये मृदु करना कहा? उसने कहा कि बस मेरे साथ कार में बैठो और हम अस्पताल के लिए निकल पड़े, उसके दिल को धड़कन को देखा मकान थे लेकर आज तक हम में से किसी एक के बिना कभी नहीं रही, ये मेरी नहीं उसकी परीक्षा थी, मेरे पास उन्हें या कमज़ोर होने का भी कोई नहीं था, क्योंकि मां के रूप में मुझे उसकी ताकत बनना था, हमें उसे पल-पल ये महसूस करवाना था कि वो अकेली नहीं हैं।

मालती बेटी की धड़कन चेक करती रहती थीं प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा कि 'जब हम उसे पर ले आए तो कई दिनों तक मौरी गई थीं, अस्पताल में मॉडलर पर उसके दिल को धड़कन को देखा मकान थे लेकिन घर पर भी उसके बीचे पर कान लगा कर सुनी थीं, वो बीच है या नहीं वे देखने के लिए हर 2 मिनट में बांग जाती थीं और वे हमसों तक चलती रहती हैं।'

किम कर्दाशियन से भी पतली कमर, प्लास्टिक सर्जरी से पाए हूबह सुपरमॉडल जैसे लुक्स, पॉपुलर एक्ट्रेस की हुई मौत



हॉलीवुड की जानी माली एक्ट्रेस किम कर्दाशियन की हमशक्ति माली जाने काली फैलिफोनें की रहने वाली मॉडल किस्टीना एस्टन की मौत हो गई, वह 34 साल की थीं, किस्टीना एस्टन ने हॉलीवुड एक्ट्रेस किम कर्दाशियन की तरह दिखने के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी, जिसके बाद उन्होंने किम जैसा किगर और फैस पाया था, किस्टीना एस्टन का महज 34 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया, किस्टीना के परिवार ने 26 अप्रैल को सोशल मीडिया पर उनकी मौत की खबर दी है, इस दुखद स्वर से फैस के बीच शोक की लहर है, मॉडल किस्टीना एस्टन ने कई प्लास्टिक सर्जरी करवाकर किम जैसा किगर और फैस पाया था, सर्जरी के बाद वो चिल्कूत किम की तरह दिखने लगे थे, इस बजह से उनकी अच्छी खाली फैलीलोइंग भी हो गई थी, उनके परिवार ने जानकारी दी 20 अप्रैल को दुखद घटना घटी है, मॉडल किस्टीना एस्टन के परिवार ने इस दुखद जानकारी को शोर करते हुए बताया, '20 अप्रैल 2023 को सुबह 4:31 बजे, हमारे परिवार को एक दुखद जोन कहा गया था और वो रहा था एस्टन मर रही है, एक फैस कल्पने ने प्रत्यक्ष ज्ञापकते ही हमारी दुनिया को बद्धिंद कर दिया, उनका कहना है कि चिकित्साकीय प्रक्रिया के बिंदुने को बजह से 'मॉडल वो कार्डियक अरेस्ट हुआ है', किस्टीना के परिवार का यादा है कि उनकी अचानक मौत को जांच अंतमान में 'चिकित्सा प्रक्रिया से संबंधित एक हात्या' के रूप में ही रही है, जो फैल हो गई थी, मेरो चिल्कूत के मूलांकिक, कार्डिएक अरेस्ट तब होता है जब हार्ट के डिलेट्यूक्ल सिस्टम में किसी समस्या के कारण दिल की धड़कन अवाकाश बंद हो जाती है, 34 साल की मॉडल के इंस्टाग्राम पर 6,26,000 से ज्यादा फैस हैं, वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ओनलाइन फैस पर काफी लोकप्रिय थी, आपको बता दें कि इसमें पहले हाल ही में कनाईंड एक्टर मेंड बैंन ने भी ब्रह्मसंग्रह जिजिन की तरह दिखने के लिए 12 कॉमेडीक सर्जरी करवाई थी, जिनमें जबड़े को मर्जी, हॅप्पीटाइप, फैस लिप्ट, नाक को मर्जी, आई लिपट, आइओ लिपट, लिप रिड्क्षन और अन्य कई सर्जरी शामिल थीं, उनकी भी कुछ समय पहले मौत हो गई थीं.

करोड़ों की प्रॉपर्टी के मालिक हैं शरमन जोशी, खूंखार विलेन की बेटी पर हार बैठे थे दिल, महज 21 साल में रचा ली थी शादी



हॉलीवुड एक्टर शरमन जोशी अपने एक्टिंग और कॉमिक टैलेंट से दर्शकों को खूब एंटरटेन किया है, ज्यादा वह अपने 44वाँ बर्थडे सेलिब्रेट करने वाले हैं, जागरूक में जन्मे शरमन को एक्टिंग की शिक्षा प्राप्त करने ही मिली और जब वह करियर बनाने के लिए अपने आए तो पहले एंटरटेनर का रस्ता किया, शरमन एक गुरुत्वादी परिवार से जात्यकृत रहते हैं, महज 21 साल में वह उन्होंने अपनी गलांफैट संग शादी रचाई थी, उनकी पहली बालीवुड के जाने वाले विलेन की बेटी हैं, जिन्होंने पहली नजर में देखते ही शरमन अपना दिल हार बैठे थे, असल जिंदगी में शरमन करोड़ों की प्रॉपर्टी के मालिक हैं, शरमन ने एक्टिंग की दुनिया में कदम छोड़ा की बारीकिया समझने के बाद ही रचा था, साल 1999 में फिल्म 'गोडमद' में उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, इस फिल्म को बेस्ट हिंदी फिल्म के साथ 6 नेशनल फिल्म अवार्ड जिते थे, इसके बाद उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया, जिन्होंने एक्टर की अलग पहचान दी, 'रंग दे बसंत' और 'एकसमय भी' जैसी कई शानदार फिल्मों में जबरदस्त अभिनय कर कुके शरमन जोशी की फिल्म 'फरारी की साकारी' के लिए 40 ऑडिशन देने पड़े थे,

21 साल में रचा ली थी शादी शरमन जोशी ने अपने एक हॉटरल्यू में बताया था कि वह अपनी पहली प्रेरणा को पहली नजर में दिल दे बैठे थे, दोनों के रिश्ते की शुरुआत दोस्ती से हुई थी और धीरे-धीरे उनका रिश्ता गहरा होता गया, लेकिन इनकी लव स्टोरी की दिलचस्पी बत ये है कि शरमन और प्रेरणा ने कभी भी एक-दूसरे से अपने दिल की जात नहीं कही थीं, इस कपल की मूलाकात साल 1999 में हुई थी, पूरे एक साल बाद ही साल 2000 में ये कपल शादी के बधान में बैठ गया था,

जिया खान

केस में बरी होने के बाद, पहली बार सूरज पंचोली ने किया रिएक्ट, सच्चाई और जीत पर वायरल हुआ पोस्ट

जिया खान केस (Jiah Khan Case) में 10 साल बाद फिरला आया है, जिसमें सुर्विकृ की एक अदालत द्वारा एक्टर सूरज पंचोली को बरी कर दिया गया है, इस बीच, जिया खान की मां ने भी सूरज के बरी होने पर प्रतिक्रिया दी और CNN News 18 को बताया कि वह अपनी दिवंगत बेटी के लिए लड़ती रहेंगी, उन्होंने हमें बताया, 'मैं उम्मीद नहीं करूँगी, लड़ती रहूँगी', उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खोलखाल रहेगी, बता दें, जिया खान भी अपने साथीओं में सीधीआई की विशेष अदालत ने सूरज पंचोली को सबवालों के सबवालों के अभाव में शुक्रवार को बरी कर दिया, सूरज अपनी मां व दिवंगत अभिनेत्री जिया खान के साथ अदालत में बूजूद थे, इसी बीच सूरज ने हस्त माझे में वहाली बार अपना बयान जारी और अपने इंस्टास्टोरी में लिखा, 'सत्य हमेशा जीतता है', इसके साथ उन्होंने हैंटिंग 'गोड हैं ग्रेट' भी जोड़ा, गोरालाल रहते हैं कि जून 2013 में जिया खान को उनकी मां गोविंदा खान ने अपने सब पूर्ण पाया था, खान ने कविता तीर पर सूरज पंचोली के साथ अपने संबंधों का जारी करते हुए 6 पलों का एक पत्र भी लिखा था, जिया की मौत के बाद उनकी मां ने सूरज और उसके परिवार पर जिया के साथ 'दूर्व्यवहार' करने का आरोप लगाया था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था, सूरज को जमानत के बाद जिया को मां ने बोध्ये हाईकोर्ट का रुख किया और जांच को दोषीय जांच जूरा (सोबोआह)

को सौंपने की मांग की, केंद्रीय जांच एजेंसी ने दिसंबर 2015 में चार्जशीट दावर की जिसमें उन्होंने पंचोली पर भारीपूर्ण दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था।

इंडोनेशिया में नौका झुकने से 11 लोगों की मौत, एक लापता

पेकनबारु। परिवहनी इंडोनेशिया में 74 लोगों को ले जा रही एक नौका के झुकने से 11 लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति अब भी लापता है। अधिकारियों ने वह जानकारी दी।

पेकनबारु तहाना एवं बचाव एजेंसी के प्रमुख न्यौमन पिंदिकार्य ने बताया कि बचावकार्मियों को अभी तक 11 शव बहामद हुए हैं, जिनमें से अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक 62 लोगों को बचाया गया है, इनमें से कई लोग घटे तक पानी में फ़ैले के कारण डेंडो लो गए थे।

स्थानीय टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो फुटेज में एक पक्की झुकनौका (स्पीडबोट) पर खड़े लोग मछली पकड़ने वाली नौका की पहुंचें की कोशिश करते नज़र आ रहे हैं। सिद्धार्थने कि बचावकार्मियों को एकलिन्स्टा 01 नामक नौका में 68 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सहाय थे। अधिकारी लोग परिवार के सदस्यों के साथ इंडूल-फ्रिल की छुट्टी मानने के लिए अपने गृहनगर से लौट रहे थे। रियाड प्रांत में इंडोनेशियन रीजेंसी के टेक्सिलाहन कम्बे में एक बंदरगाह से निकलने के कारीब तीन घंटे बाद बृहस्पतिवार दोपहर को नौका झुक गई थी।

हत्या के आरोप में फ़ारार नेपाल के सांसद कोइरी को संसदीय समिति में दखे जाने पर विवाद

काठमाडू। नेपाल में हत्या के आरोप में फ़ारार संसदीय समिति (यूप्रएसएल) के सांसद लक्ष्मी महलो कोइरी को संसद की उद्योग और व्यापारी समिति के सदस्य के रूप में सिफारिश किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। संसद सत्र में यूप्रएसएल के अलावा अन्य संसदीयों ने कोइरी की तत्काल गिरफतारी और कार्रवाई की मांग की है। आज संसदीय समितियों के गठन के लिए सांसदों के नामों की सिफारिश की गई है। इस समिति में हत्या के आत्मप्रतिष्ठित लक्ष्मी महलो कोइरी को भी लाभित किया जाना का संसद में मुद्दा उठा है। स्पीकर देवदत्त खिरिये ने कोइरी को समिति के सदस्यों के प्रस्ताव दिया है। इस पर सांसद गम्भीर खालिकाया, चित्र बहादुर केन्द्री, लित राज पाण्डे एवं अन्य ने विवाद करते हुए कहा कि भोइडू को गिरफतार करने के कारण उन्हें केंद्री में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

कोइरी सांसद बनने के बाद केवल 3 बार संसद की बैठक में उपस्थित हुए। उन्होंने ये बूलीमूल की फ़ारार सूची में है। वार्ष 2015 में अदालत ने कोइरी को दिवालत में रखने और संसद के आरोप में रिमांड पर लेने का अदेश जारी किया था। उनके खिलाफ हाल्य के आरोप में जानवारी कार्रवाई की प्रतिक्रिया की बाधाया गया लिकिन 20 नवंबर, 2022 संसदीय चुनाव में कोइरी उम्मीदवार बने और जीत लासिल की। संसद बनने के बाद से वे फ़ारार हैं। कोइरी ने यित्तों साल के चुनाव में महानी निर्वाचन छोड़ नक्कर 3 से पूर्व मंत्री और माओजादी नाम गिरिजनगण्डी पोखरेल को हाराया और सांसद बने। उन्होंने नेपाली कांग्रेस से राजनीति की शुरुआत की और कई दल बदले। संसदीय चुनाव के पांच महीने बीते जाने के बाद भी सीमित कर बढ़ाना नहीं किया जा सका है।

नेपाल में आरएसपी अध्यक्ष लामिङाने ने प्रचंड सरकार को दी समर्थन वापसी की पेटवानी

काठमाडू। नेपाल में लालीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिङाने ने प्रधानमंत्री पृष्ठ कमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने की चेतावनी दी है। स्मिलदेवर में सांसद पद एवं गोपनीयाता की शापथ लेने के बाद उन्होंने यह भी साक कर दिया कि वे सरकार में लाभित किया था। उन्होंने कहा कि वह किसी भी सुरु में सरकार का साथ नहीं देंगे। 23 अप्रैल को हुए संसदीय उपचुनाव में लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है। लामिङाने पाले प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार में उप प्रधान मंत्री के साथ गुह मंत्री के रूप में कार्रवाई कर रहे हैं। हालांकि, नागरिकता मामले में सम्बन्ध अदालत के दिये आदेश से उनकी संसद सदस्यता खुल्म हो गई थी। अबर लामिङाने के नेतृत्व वाली आरएसपी अपना समर्थन वापस ले लेती ही तो भी प्रधानमंत्री प्रचंड सरकार अपना बहुमत नहीं खोएगी। हालांकि, प्रधानमंत्री प्रचंड ने अराएसपी को सरकार में शामिल करने की प्राशंखा देता है।



आरएसपी नेतृत्वनम् 2 से दोषाचार निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने पाले प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार में उप प्रधान मंत्री के साथ गुह मंत्री के रूप में कार्रवाई कर रहे हैं। हालांकि, नागरिकता मामले में सम्बन्ध अदालत के दिये आदेश से उनकी संसद सदस्यता खुल्म हो गई थी। अबर लामिङाने के नेतृत्व वाली आरएसपी अपना समर्थन वापस ले लेती ही तो भी प्रधानमंत्री प्रचंड सरकार अपना बहुमत नहीं खोएगी। हालांकि, प्रधानमंत्री प्रचंड ने अराएसपी को सरकार में शामिल करने की प्राशंखा देता है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी नेपाल की संसद में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।

लामिङाने नित्यत्वनम् 2 से दोषाचार की निवाचित हुए हैं। तीन सीटों के उपचुनाव में लामिङाने की पार्टी ने एक और उपचुनाव संसद में 21 सीटें हासिल कर ली हैं।

आरएसपी न

